SECRETAR



असाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 506]

नई विल्ली, बुधवार, नवम्बर 24, 1976/ ब्राग्रहायण 3, 1898

No. 506] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 24, 1976/AGRAHAYANA 3, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 24th November 1976

S.O. 752(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community; and, whereas, any strike or lock-out in any of the textile mills in the State of Madhya Pradesh would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes and lockouts in all the textile mills in that State;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Rule 118 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, any strike or lock-out in connection with any industrial dispute, in all the textile mills in the State of Madhya Pradesh for a period of six months.

[No. F. S.42011/13/76/DI(A)]

D. BANDYOPADHYAY, Jt. Secy.

# ध्रम मंत्रालय

## मावेश

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1976

का० आ० 752(आ).—केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय भीर सेवाएं बनाए रखने के लिए ऐसा करना प्रावश्यक और समीचीन हैं; और मध्य प्रदेश राज्य की सभी कपड़ा मिलों में कोई हड़ताल या तालाबन्दी समुदाय के जीवन के लिए प्रदाय और सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी और उस राज्य की सभी कपड़ा मिलों में हड़तालों और तालाबन्दियों को रोकना आवश्यक और समीचीन है;

श्रतः, श्रव, भारत रक्षा ग्रीर श्रांतरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश की सभी कपड़ा मिलों में किसी श्रीद्योगिक विवाद से सम्बन्धित किसी हड़ताल या तालाबर्ग्दा को तत्काल प्रमाव से छ: साल की श्रवधि के लिए प्रतिषिद्ध करती है।

> [सं• फा॰ एस॰ 42011/13/76/डी 1(ए)] देवस्रत बंद्योपाध्याय, संयक्त सचित्र ।